S–2060

Total Page No. : 3] [Roll No. .....

M.A. II Semester Examination, 2023–24

संस्कृत

Paper : III

(पुराणोतिहास)

Time : 2 : 30 Hours] [**Max. Marks :** 80

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक से किन्हीं **चार-चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड-'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5=20**

1. वाल्मीकि रामायण के सुन्दरकाण्ड में वर्णित हनुमान मैनाक सम्वाद पर प्रकाश डालिए।
2. पुराण शब्द को स्पष्ट करते हुए भागवत् पुराण के वैशिष्ट्य को प्रतिपादित कीजिए।
3. श्रीमद्भागवत् पुराण के पञ्चम स्कन्ध के प्रथम अध्याय में वर्णित ''प्रियव्रत-चरित्र'' पर प्रकाश डालिए।

4. सुन्दर काण्ड में 'हनुमान जी द्वारा वानरों को सम्बोधन'' को प्रतिपादित कीजिए।
5. सुन्दरकाण्ड में वर्णित नागकन्या सुरसा के स्वरूप वर्णन पर प्रकाश डालिए।
6. अष्टादश पुराणों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. श्रीमद्भागवत् पुराण के पञ्चम स्कन्ध के तृतीय अध्याय में निरुपित ''राजा नाभिका चरित्र'' पर प्रकाश डालिए।
8. शुकदेव जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15=60**

9. निम्न श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

''रामार्थं वानरार्थं च चिकीर्षन्कर्म दुष्करम्।

समुद्रस्य परं पारं दुष्प्रापं प्राप्तु मिच्छति॥

10. साहित्यिक दृष्टि से ''वाल्मीकि रामायण का वैशिष्ट्य एवं उत्तरवर्ती साहित्यों पर प्रभाव'' को विस्तार से निरुपित कीजिए।
11. महर्षि वाल्मीकि के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालिए।
12. भागवत् पुराण के पञ्चम स्कन्ध के चतुर्थ अध्याय में वर्णित ''ऋषभदेव जी का राज्य शासन'' को प्रतिपादित कीजिए।
13. निम्न श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

''ततो रावणनीतायाः सीतायाः शत्रुकर्शनः।

इयेष पदमन्वेष्टुं चारणाचरिते पथि॥

14. श्रीमद्भागवत् पुराण के पञ्चम स्कन्ध के द्वितीय अध्याय में वर्णित "आग्नीध्र-चरित्र" पर प्रकाश डालिए।

15. त्रिकूट पर्वत एवं लंकापुरी का वर्णन कीजिए।

16. निम्न श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए—

"स नानाकुसुमै: कीर्ण: कपि साङ्कुरकोरकै:।
शुशुभे मेघसङ्काश: खद्योतैरिव पर्वत:॥

****